जय बोलो जय बोलो जय हनुमान की भजन लिरिक्स

जय बोलो जय बोलो जय हनुमान की,
संकट मोचन करुणा दयानिधान की,
हनुमान की जय विद्यावान की जय,
शक्तिमान की जय हनुमान की जय,
जय बोलों जय बोलों जय हनुमान की।bd।

तर्ज – मैं बालक तू माता शेरावालिये।

अहिरावण की भुजा उखाड़ी,
सुरसा इनसे हारी हो,
असुरो की वो सेना इनसे,
लड़के नरक सिधारी,
रोती थी जब राम विरह में,
रोती थी जब राम विरह में,
सिता जनक दुलारी,
लंका जा उन्हें धीर बंधाया,
करके कोतुक भारी,
जय बोलों जय बोलों जय हनुमान की,
संकट मोचन करुणा दयानिधान की,
हनुमान की जय विद्यावान की जय,
शक्तिमान की जय हनुमान की जय,
जय बोलों जय बोलों जय हनुमान की।bd।

मंगलकारी हनुमान जी,
करते सबका मंगल हो,
पाप का ताप मिटाके पल में,
तन मन करते शीतल,
झूठ कपट का मेल मिटाकर,
झूठ कपट का मेल मिटाकर,
करते आत्मा निर्मल,
रामचन्द्र के भक्त बने ये,
भाये ना इनको छल बल,
जय बोलों जय बोलों जय हनुमान की,
संकट मोचन करुणा दयानिधान की,
हनुमान की जय विद्यावान की जय,
शक्तिमान की जय हनुमान की जय,
जय बोलों जय बोलों जय हनुमान की।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जय बोलो जय बोलो जय हनुमान की,
संकट मोचन करुणा दयानिधान की,
हनुमान की जय विद्यावान की जय,
शक्तिमान की जय हनुमान की जय,
जय बोलों जय बोलों जय हनुमान की।bd।

स्वर – सुरेश वाडकर जी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com